— Utilising the pure seeds so available for use as "Truthful Label" seeds for planting during the next season in case of straight varities.

The criteria for selection of villages are as under:—

— Villages with productivity lower than overall prodctivity of states.

— Villages having concentration of marginal and tribal farmers, particularly in rainfed areas.

— Farmers of villages intending to accept "Once Variety One Village concept".

कपास के निर्यात पर प्रतिबंध

1082. **श्री कपिल सिब्बल:**
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश से कच्ची रूई का निर्यात करने की तुलना में सूत, कपड़ा या सिले-सिलाए वस्त्र निर्यात करना आर्थिक रूप से अधिक लाभप्रद हो सकता है;

(ख) यदि हां, तो रूई की तुलना में सूत, कपड़े और सिले-सिलाए वस्त्रों का निर्यात करने से होने वाली अतिरिक्त कमाई के संबंध में सरकार का क्या आकलन है;

(ग) 1995-96, 1996-97 और 1997-98 के दौरान देश से कितने-कितने मूल्य की रूई, सूत, कपड़ा और सिले-सिलाए वस्त्रों का निर्यात किया गया है; और

(घ) सरकार द्वारा रूई के निर्यात पर प्रतिबंध न लगाए जाने के क्या कारण है?

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा): (क) से (ग) यार्न, फैब्रिक्स, सिले-सिलाए परिधानों जैसे मूल्यवर्द्धित उत्पादों से आमतौर पर कच्चे कपास की तुलना में अधिक विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है तथा उनके निर्यात उत्साहित हैं। विगत तीन वर्षों के दौरान इन उत्पादों से लगभग वसूली निम्नानुसार रिपोर्ट की गई है:—

मूल्य करोड़ रु० में

मद	1995-96	1996-97	1997-98
			(अनंतिम)
कपास	203.54	1574.51	839.93
सूती यार्न	3363.19	5330.17	5865.64
सूती कपड़ा	3415.77	3992.12	4144.27
सूति परिधान	10457.70	12007.13	13082.04

स्रोत : कपास — डी०जी०सी०आई० एण्ड एस०
अन्य — निर्यात संवर्धन परिषदें

(घ) सरकार की नीति एक ओर कपास उपजकर्ताओं के हितों को संतुलित करना है ताकि उन्हें उचित प्रतिपूर्ति सुनिश्चित हो सके तथा दूसरी ओर हथकरघा बुनकरों सहित कपास उपभोक्ताओं, खासकर विकेन्द्रीकृत क्षेत्रों में जो है, के हितों को संतुलित करना है। कपास के निर्यात की, उत्पादन, उपलब्धता, संभावित मांग तथा अनुमानित बेशी तथा घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय कीमतों आदि सहित सभी संगत कारकों पर विचार करने के उपरांत ही अनुमति दी जाती है।

Foreign visits of the Officers of Ministry of Textiles

1083. SHRI RAGHAVJI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state the details of the foreign visits of the officers of his Ministry in the various Seminars, road shows, delegations etc. organised or sponsored or arranged by the National Institute of Fashion Technology during the year 1997-98 and from Ist April 1998 upto 31st October, 1998?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI KASHIRAM RANA): The details of foreign visits of the officers of Ministry of Textiles sponsored by the National Institute of Fashion Technology (NIFT) during the period April, 1997 to October, 1998 are as follows:—

(i) During the year 1997-98, the then Secretary (Textiles) led the delegation to New York from 24th to 26th November, 1997 (excluding actual travel time) for finalising and signing Memorandum of Understanding (MOU) with

Fashion Institute of Technology, New York (FIT), along with Executive Director, NIFT as member of the delegation.

(ii) During the period from Ist April, 1998 upto 31st October, 1998, Secretary (Textiles) led the delegation to New York from 21st to 23rd May, 1998 (excluding actual travel time) for participation in the *Preparatory Meeting for the* International Conference of Fashion Schools (held in the month of November, 1998), alongwith Executive Director, NIFT as member of the said delegation.

हथकरघा, विद्युत करघा और मिल क्षेत्र द्वारा कमाई गई विदेशी मुद्रा

1084. **श्री बरजिन्दर सिंह:**
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वस्त्रों का उत्पादन मुख्यतः हथकरघा, विद्युत करघा और मिल क्षेत्रों में किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान क्षेत्र-वार औसत वार्षिक उत्पादन कितना हुआ; और

(ग) इन क्षेत्रों द्वारा गत वर्षों में औसतन कितनी-कितनी विदेशी मुद्रा कमाई गयी है?

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा): (क) जी, हां।

(ख) पिछले 3 वर्षों के दौरान क्षेत्र-वार वार्षिक उत्पादन नीचे दर्शाया गया है:

(मिलियन वर्ग मीटर में)

	1995-96	1996-97	1997-98 (अनंतिम)
मिल क्षेत्र	2019	1957	1963
हथकरघा क्षेत्र	7202	7456	7862
विद्युतकरघा क्षेत्र	17198	19595	20303

(ग) पिछले 3 वर्षों के दौरान हथकरघा, पावरलूम तथा मिल क्षेत्रों से निर्यात द्वारा अर्जित विदेशी विनिमय नीचे दर्शायी गई है:—

वर्ष	राशि करोड़ रुपये में
1995-96	29809.77
1996-97	35477.92
1997-98	39126.61

Textile Upgradation Fund

1085. SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have proposed to create a Textile Upgradation Fund with a corpus of Rs. 25,000/- crores;

(b) whether Government would expedite the process so as to benefit the spinning mills set up in Tamil Nadu since Tamil Nadu accounts for 50% of the total spinning mills; and

(c) the action taken so far to revive the Textile Industry from its sickness?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI KASHIRAM RANA): (a) and (b) A proposal is under formulation to facilitate modernisation through technological upgradation of the textile industry aimed at improving its production and productivity so that Indian textile become more competitive. The proposal involves making loans available from financial institutions to the identified sectors of textile industry with an interest incentive. When implemented this scheme will benefit identified sectors of textile industry throughout the country including Tamil Nadu.

(c) Among other measures taken by the Government to tackle the problems of industrial sickness in general (including textiles) was the establishment of a Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR) under the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985. Till 31.10.1998, 384 cases of textiles mills had been registered with the Board. Recently the Government have set up an Expert Committee under the Chairman-